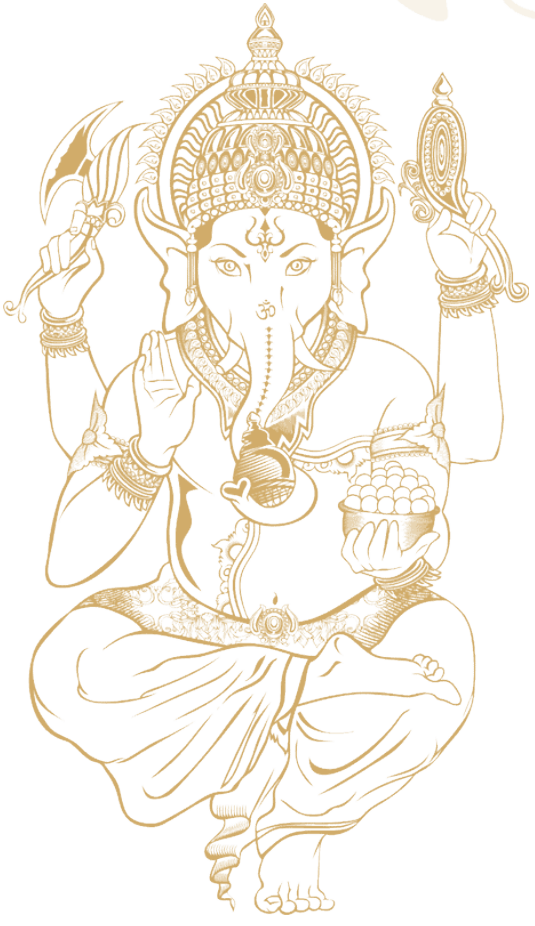

Vishakha

11 Oct 2001

07:00 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121515702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/10/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	31:39:26 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:39:12 घंटे
वेलान्तर	00:13:14 घंटे
साम्पातिक काल	20:00:02 घंटे
सूर्योदय	06:20:13 घंटे
सूर्यास्त	17:54:32 घंटे
दिनमान	11:34:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:25:14 कन्या
लग्न के अंश	17:41:35 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	17:41:35	455:31:04	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	---
सूर्य			कन्या	24:25:14	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कर्क	12:21:28	14:11:46	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	स्वराशि
मंगल			धनु	25:21:32	00:38:44	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	कन्या	29:53:33	01:08:36	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			मिथु	21:01:26	00:04:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	01:15:46	01:14:13	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:54:00	00:01:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	06:13:55	00:02:14	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	06:13:55	00:02:14	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:11:16	00:00:57	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:07:38	00:00:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:18:13	00:01:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मक	04:02:04	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:37

लग्न-चलित

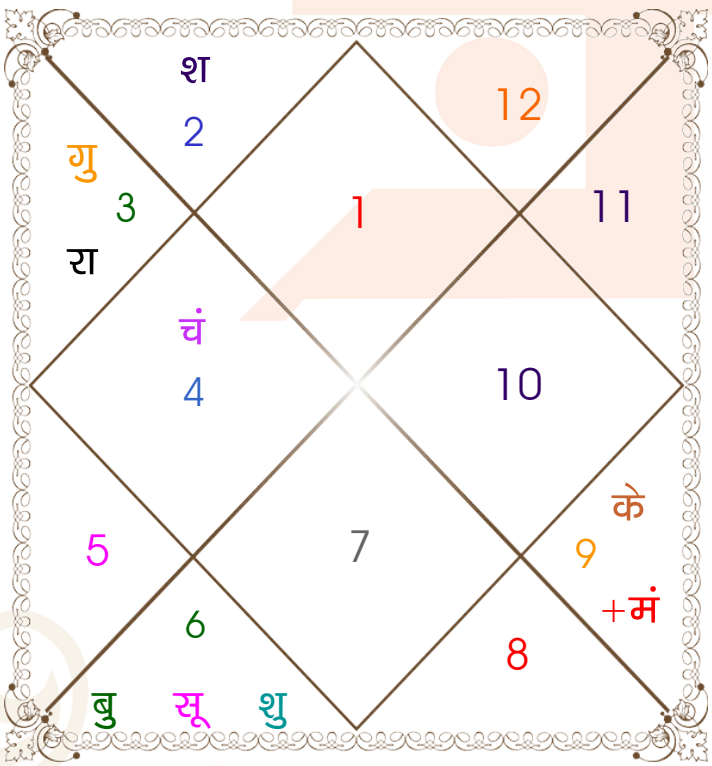

चन्द्र कुंडली

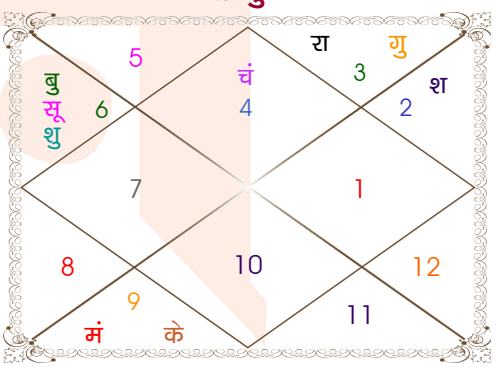

नवमांश कुंडली

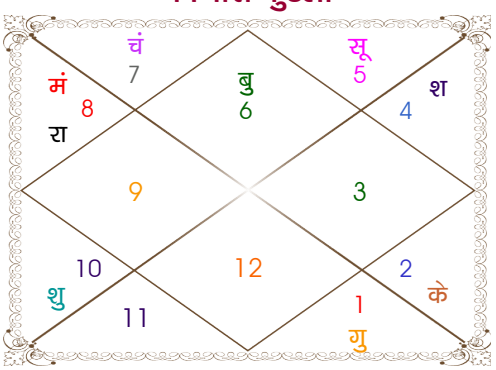

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 1 मास 20 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/10/2001		02/12/2007		01/12/2024		02/12/2031		02/12/2051	
02/12/2007		01/12/2024		02/12/2031		02/12/2051		02/12/2057	
	00/00/0000	बुध	30/04/2010	केतु	29/04/2025	शुक्र	03/04/2035	सूर्य	21/03/2052
	00/00/0000	केतु	27/04/2011	शुक्र	30/06/2026	सूर्य	02/04/2036	चंद्र	19/09/2052
	00/00/0000	शुक्र	25/02/2014	सूर्य	04/11/2026	चंद्र	02/12/2037	मंगल	25/01/2053
	00/00/0000	सूर्य	01/01/2015	चंद्र	05/06/2027	मंगल	01/02/2039	राहु	20/12/2053
	00/00/0000	चंद्र	02/06/2016	मंगल	02/11/2027	राहु	31/01/2042	गुरु	08/10/2054
	11/10/2001	मंगल	30/05/2017	राहु	19/11/2028	गुरु	01/10/2044	शनि	20/09/2055
मंगल	15/07/2002	राहु	17/12/2019	गुरु	26/10/2029	शनि	02/12/2047	बुध	26/07/2056
राहु	21/05/2005	गुरु	24/03/2022	शनि	05/12/2030	बुध	02/10/2050	केतु	01/12/2056
गुरु	02/12/2007	शनि	01/12/2024	बुध	02/12/2031	केतु	02/12/2051	शुक्र	02/12/2057

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/12/2057		02/12/2067		02/12/2074		01/12/2092		02/12/2108	
02/12/2067		02/12/2074		01/12/2092		02/12/2108		00/00/0000	
चंद्र	02/10/2058	मंगल	29/04/2068	राहु	14/08/2077	गुरु	20/01/2095	शनि	06/12/2111
मंगल	03/05/2059	राहु	18/05/2069	गुरु	08/01/2080	शनि	02/08/2097	बुध	15/08/2114
राहु	01/11/2060	गुरु	24/04/2070	शनि	14/11/2082	बुध	08/11/2099	केतु	24/09/2115
गुरु	03/03/2062	शनि	02/06/2071	बुध	02/06/2085	केतु	15/10/2100	शुक्र	24/11/2118
शनि	02/10/2063	बुध	30/05/2072	केतु	20/06/2086	शुक्र	16/06/2103	सूर्य	06/11/2119
बुध	03/03/2065	केतु	26/10/2072	शुक्र	20/06/2089	सूर्य	03/04/2104	चंद्र	06/06/2121
केतु	02/10/2065	शुक्र	26/12/2073	सूर्य	15/05/2090	चंद्र	03/08/2105	मंगल	12/10/2121
शुक्र	02/06/2067	सूर्य	03/05/2074	चंद्र	14/11/2091	मंगल	10/07/2106		00/00/0000
सूर्य	02/12/2067	चंद्र	02/12/2074	मंगल	01/12/2092	राहु	02/12/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 1 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह ज्ञात हो रहा है कि आपका जन्म मेष लग्न में अर्थात् जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। परिणामस्वरूप यह स्पष्ट हो रहा है कि आप महान भाग्यशाली हैं। प्रसन्नता का विषय यह है कि जब कभी भी संयोग प्राप्त हो मुख्य रूप से लाटरी के टिकट प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त करें ताकि आप शीघ्र ही धनवान बन सकें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आप निर्विध्न आराम देह एवं आनंददायक जीवन व्यतीत करने के लिए प्रर्याप्त (धन) आय के अतिरिक्त साधन प्राप्त करें ताकि आपका सुखमय जीवन विलास-प्रियता से व्यतीत हो सके।

आप शरीर से दुबली (कृशकाय) कद की मांसल एवं हृष्ट-पुष्ट शरीर वाली संयमी स्त्री हैं। आपकी उन्नत ललाट, सुंदर और आकर्षक आंखे आपके व्यक्तित्व को अपेक्षाकृत सौंदर्य प्रदान कर रही हैं। यह संभव है कि आपके मस्तक पर कोई पुराने चोट या घाव के चिह्न हों। आपका संपूर्ण व्यक्तित्व सुंदर और आकर्षक है, जो मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति सुंदरता का केंद्र है। यह संभव है कि आप कामी पुरुष के आकर्षण में दिशाहीन होकर अपने शयन कक्ष के अतिरिक्त कहीं बाहर कामोत्तक आनंद प्राप्ति का पता लगाकर आनंद ले तो अन्य पुरुष के साथ संभोग के परिणाम स्वरूप यौन संबंधी रोग अर्थात् यौन रोग का शिकार हों। ऐसी संभावना है।

आप अपनी वाचाल प्रवृत्ति के प्रभाव से किसी भी विषय पर अपना मंतव्य प्रकट कर देती हैं, जो आवश्यक नहीं है। यह प्रवृत्ति आपकी मेधावीपना की औसत से अधिक है। फिर भी सदैव ही आप बात-चीत कर के अपना मुंह बंद नही रखती लगातार बोलते ही रहते हैं, जो आपके संपर्क में आता है। वह आपको अधिक सामान्य महिला समझता है। आपको पूर्णरूपेण अधिकाधिक मदद करता है। आपकी मित्रमंडली आपके लाभ के लिए धन का भुगतान भी करती हैं। अर्थात् मित्र से आपको आर्थिक लाभ होता है।

आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हैं कि आप में नेतृत्व की क्षमता विद्यमान है तथा आप एक अच्छी नेता के गुणों से पूर्ण हैं। आप अपनी योजना के संबंध में किसी अन्य के विचारों का कोई महत्व नहीं देतीं, वास्तव में आप अपने ही विचारों और निर्णयों को सर्वोपरि समझती हैं। परंतु किसी-किसी विषय में आप भ्रमित होकर किसी अन्य उपाय को अपनाती हैं। परंतु आप बिना किसी बड़ी बाधाओं के भी पार कर लेती हैं। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि आप में पूर्ण आत्म शक्ति विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। परंतु आप जब कोई जोखिम मोल लेंगी तब साधारण रूप से किसी प्रकार से घायल होने के प्रति सर्तकता बरतना होगा। विशेषतया दुर्घटना के कारण सिर में चोट न लगे, इसके लिए आपको पूर्णरूपेण सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि यह दुर्घटना संभाव्य है। यदि आप सतर्क रहें तो संभावित दुर्घटना से सुरक्षित रहेंगी। क्योंकि आप कम से कम समय बचा कर भी स्वास्थ्य रक्षा के लिए अत्यधिक उत्साहित एवं अभिलाषित रहते हैं। आपकी बुद्धि और शरीर किसी भी दबाव से स्थिर रहता है।

अतएव आपके लिए यह उचित है कि आप अपनी तनाव मुक्ति हेतु यथा संभव विश्राम प्राप्त कर यथेष्ठ शयन करें। अन्यथा आप नस की गडबड़ी अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग से ग्रसित हो जाएंगी। आपके लिए यह पूर्व सूचना है कि आप स्वास्थ्य रक्षा के लिए सभी संभव उपाय करे अर्थात् सचेत रहें, तथा समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह डॉक्टर से प्राप्त कर ही संयमित जीवन बिताएं। सामान्य स्वास्थ्य को उत्तम रखने के लिए आपको मद्य एवं मंसाहार से बच कर रहना चाहिए। आपको शाकाहारी भोजन का सेवन पर्याप्त मात्रा में करनी चाहिए। आप पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्ति संबंधी वार्तालाप करने में विश्वास रखती हैं तथा धन प्राप्ति के सुअवसर प्राप्त करना चाहती हैं। आपको निम्नांकित निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक से आप आकर्षित हैं। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नही है।

आपके लिए लाल, स्वर्णिम एवं पीला रंग भाग्यशाली प्रमाणित होगा।